दैनिक भास्कर

शुक्रवार 10 जुलाई 2015

हिंदी विवि में फिल्म निर्माण पाठ्यक्रम

»फिल्मों और धारावाहिकों में बढ़ती मांग को देखकर तैयार किया गया है पाठ्यक्रम

प्रतिनिधि | वर्धा

फिल्म में करिअर बनाना हो और सिनेमेटोग्राफर तथा कैमरामैन के रूप में अपना कोई स्वयंरोजगार शुरू करना हो तो इसके लिए वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में नया कोर्स शुरू किया गया है। विवि अनुदान आयोग के कार्यक्रम बी. वोक. के तहत विवि में फिल्म निर्माण और नाट्य प्रस्तुति का तीन वर्षीय बी.ए. का पाठ्यक्रम फिल्म और नाटक में रूचि रखने वाले तथा इस क्षेत्र में अपना करिअर शुरू करने वाले विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है।

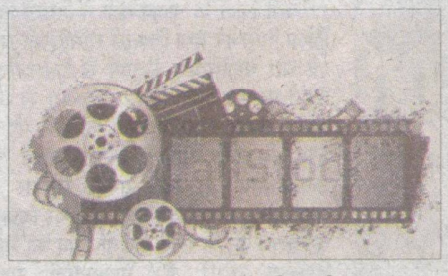

पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि छात्रों को प्रथम वर्ष में यानि दो सेमेस्टर में सिनेमेटोग्राफी विषय पढ़ाया जाएगा। छात्र एक वर्ष की पढ़ाई में ही सिनेमेटोग्राफर बन सकता है या उसे सिनेमेटोग्राफर के रूप में फिल्म उद्योग में काम मिल सकता है। दूसरे वर्ष में छात्रों को इस प्रकार से तैयार किया जाएगा। जिससे कि उसे फिल्म एडिटिंग और साउंड रिकॉर्डिंग का काम मिल सकें। इस विषय की तकनीकी और बारीकियों का अध्ययन दूसरे वर्ष की पाठ्यक्रम में किया जाएगा। पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष में फिल्म निर्देशन और कला निर्देशन को लेकर छात्रों को तैयार किया जाएगा। विवि के प्रदर्शनकारी कलाएं (नाट्य एवं फिल्म) विभाग के अध्यक्ष, पाठ्यक्रम के निर्माता प्रो. सुरेश शर्मा ने पाठ्यक्रम की महत्ता एवं आवश्यकताओं को अधोरेखित करते हुए बताया कि हाल के दिनों में भारत में विभिन्न भाषाओं में बनने वाली फिल्में और टीवी पर प्रसारित होने वाले विभिन्न धारावाहिकों के विस्तार को देखते हुए इस क्षेत्र की बढ़ती हुई मांग को पूरी करने की दिशा में होनहार और कौशलयुक्त, प्रतिभावान छात्रों को तैयार करने की दिशा में पाठ्यक्रम को डिजाइन किया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त कि की इस पाठ्यक्रम के माध्यम से न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि वे अपना स्वरोजगार भी शुरू कर व्यवसायी के रूप में इस क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर सकेंगे।

फिल्म निर्माण के साथ-साथ नाट्य प्रस्तुति विषय को चुनने वाले छात्र नाटक में अभिनय कर सकेंगे। इस पाठ्यक्रम में छात्रों को मंच विन्यास, नाट्य निर्देशन, कैमरा हैंडलिंग से लेकर डिजिटल कैमरा और फिल्मांकन के नियम, कैमरे के सामने और दर्शक के सामने अभिनय की प्रक्रिया आदि के बारे में तैयार किया जाएगा।

विवि अनुदान आयोग द्वारा विवि में पहली बार इस प्रकार के कौशल आधारित पाठ्यक्रम के प्रवेश के लिए छात्र 31 जुलाई 2015 तक आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी हेतू छात्र विवि के प्रदर्शनकारी कलाएं (फिल्म एवं नाटक) विभाग से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

देशोन्नती
शुक्रवार, दि. १० जुलै २०१५

चित्रपट आणि वाहिन्यांमध्ये वाढती मागणी पूर्ण करण्यासाठी स्वयंरोजगार केंद्रित नवा अभ्यासक्रम

चित्रपट, नाटकात करिअरची संधी आता वर्ध्यातही उपलब्ध
हिंदी विश्वविद्यालयाने सुरु केला बीए स्तरावरील अभ्यासक्रम

प्रतिनिधी / ९ जुलै

वर्धा : चित्रपट आणि नाटकांमध्ये करिअर करायचे असेल आणि सिनेमेटोग्राफर व कॅमेरामन म्हणून आपला स्वतःचा व्यवसाय सुरू करायचा असेल तर यासाठी वर्ध्यातील महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने बी. ए. च्या स्तरावरील एक नवा अभ्यासक्रम सुरू केला आहे.

विद्यापीठ अनुदान आयोगाचा महत्त्वकांक्षी कार्यक्रम कार्यक्रम बी. वोक.च्या अंतर्गत विश्वविद्यालयात चित्रपट निर्मिती आणि नाट्य प्रस्तुती हा तीन वर्षीय बी. ए. अभ्यासक्रम आरंभ करण्यात आला आहे.

अभ्यासक्रमाच्या प्रथम वर्षात सिनेमेटोग्राफी विषय शिकविला जाईल तर दुसऱ्या वर्षात फिल्म एडिटिंग आणि साउंड रेकार्डिंग शिकविले जाईल. अभ्यासक्रमाच्या तिसऱ्या वर्षात फिल्म निर्देशन आणि कला निर्देशन या विषयांचा अभ्यास करण्यात येईल.

विश्वविद्यालयातील प्रदर्शनकारी कला (नाट्य आणि फिल्म) विभागाचे प्रमुख तसेच पाठ्यक्रमाचे निर्माता प्रो. सुरेश शर्मा यांनी अभ्यासक्रमाचे महत्व आणि आवश्यकता याविषयी सांगितले की भारतात विविध भाषांमध्ये तयार होणारे चित्रपट आणि विविध दूरचित्रवाणी वाहिन्यांवर प्रसारित होणाऱ्या मालिकांचा झालेला मोठा विस्तार पाहून आणि या क्षेत्रात रोजगाराची वाढती मागणी पूर्ण करण्यासाठी कौशल्ययुक्त, प्रतिभावान विद्यार्थी तयार करण्याच्या दिशेने हा अभ्यासक्रम आखण्यात आला आहे. ते म्हणाले की या अभ्यासक्रमामुळे युवक-युवतींना चित्रपट आणि नाटकांमध्ये रोजगार तर मिळेलच शिवाय ते आपला स्वयंरोजगारही सुरू करू शकतील. दुसरे वैशिष्टये असे की विद्यार्थ्यांना प्रथम वर्षच शिकायचे असेल तर प्रमाणपत्र, दुसऱ्या वर्षासाठी डिप्लोमा आणि तीन वर्ष पूर्ण केल्यास बी. ए. डिग्री देण्यात येणार आहे. चित्रपट निर्मितीसह नाट्य प्रस्तुती विषय निवडणाऱ्या विद्यार्थ्यांना अभिनयाबरोबरच मंच सज्जा, नाट्य निर्देशन, कॅमेरा हाताळणे, डिजिटल कॅमेराचे संचालन आणि कॅमऱ्याच्या पुढे आणि दर्शकाच्या समोर अभिनयाची प्रक्रिया आदी विषय शिकविले जाणार आहे.

या अभ्यासक्रमात प्रवेशासाठी ३१ जुलै २०१५ पर्यंत अर्ज मागविण्यात येत आहे. अधिक माहितीकरिता विश्वविद्यालयातील प्रदर्शनकारी कला, फिल्म आणि नाटक विभाग यांच्याशी थेट संपर्क करावा असे विश्वविद्यालयाने दिलेल्या प्रसिद्धी पत्रकातून कळविले आहे. त

गुरुवार, 9 जुलाई 2015

प्रतिदिन 3रा दशक अखबार

हिन्दी विद्यापीठ में फिल्म निर्माण पाठ्यक्रम

वर्धा में सुनहरा अवसर

प्रतिनिधि, 8 जुलाई

वर्धा - फिल्म में करियर करना हो और सिनेमेटोग्राफर तथा कैमरामैन के रूप में अपना स्वरोजगार शुरू करना हो तो इसके लिए वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में नया कोर्स शुरू किया गया है. विवि अनुदान आयोग के कार्यक्रम बी. वोक के तहत विवि में फिल्म निर्माण और नाट्य प्रस्तुति का तीन वर्षीय बीए का पाठ्यक्रम फिल्म और नाटक में रुचि रखने वाले तथा इस क्षेत्र में अपना करियर शुरू करने वाले विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है.पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि छात्रों को प्रथम वर्ष में यानि दो सेमेस्टर में सिनेमेटोग्राफी विषय पढ़ाया जाएगा. छात्र एक वर्ष की पढ़ाई में ही सिनेमेटोग्राफर बन सकता है या उसे सिनेमेटोग्राफर के रूप में फिल्म उद्योग में काम मिल सकता है. दूसरे वर्ष में छात्रों को इस प्रकार से तैयार किया जाएगा, जिससे कि उसे फिल्म एडिटिंग और साउंड रिकार्डिंग का काम मिल सके. इस विषय की तकनीकी और बारीकियों का अध्ययन दूसरे वर्ष की पढ़ाई में किया जाएगा. पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष में फिल्म निर्देशन और कला निर्देशन को लेकर छात्रों को तैयार किया जाएगा. विवि के प्रदर्शनकारी कलाएं (नाट्य एवं फिल्म) विभाग के अध्यक्ष, पाठ्यक्रम के निर्माता प्रो.सुरेश शर्मा ने पाठ्यक्रम की महत्ता एवं आवश्यकता को अधोरेखित करते हुए बताया कि हाल के दिनों भारत में विभिन्न भाषाओं में बनने वाली फिल्में और विभिन्न टीवी पर प्रसारित होने वाले धारावाहिकों आदि के विस्तार को देखकर इस क्षेत्र में बढ़ती हुई मांग को पूरी करने की दिशा में होनहार और कौशलयुक्त, प्रतिभावान छात्रों को तैयार करने की दिशा में पाठ्यक्रम को डिजाइन किया गया है. उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि वे खुद अपना स्वरोजगार शुरू कर एक सफल व्यवसायी के रूप में भी इस क्षेत्र में अपना व्यवसाय शुरू कर सकेंगे.

फिल्म निर्माण के साथ-साथ नाट्य प्रस्तुति विषय का चुनाव करने वाले छात्र नाटक में अभिनय कर सकेंगे. इस पाठ्यक्रम में छात्रों को मंच विन्यास, नाटक निर्देशन, कैमरा हैंडलिंग से लेकर डिजिटल कैमरा और फिल्मांकन के नियम, कैमरे के सामने और दर्शक के सामने अभिनय की प्रक्रिया आदि के बारे में तैयार किया जाएगा. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय में पहली बार इस प्रकार के कौशल आधारित पाठ्यक्रम के प्रवेश के लिए छात्र 31 जुलाई 2015 तक आवेदन कर सकते हैं.